

Padma Shri



SHRI KONSAM IBOMCHA SINGH

Shri Konsam Ibomcha Singh is State Awardee in Doll & Toys making craft, a traditional craft of Manipur. He is son of Late Konsam Tona Singh, National Awardee in Doll & Toy craft and his mother Late (Smt.) Konsam Ongbi Gambhini Devi, was also National Awardee in Kawna Murrah making .

2. Born on 15th March, 1962, Shri Ibomcha Singh, received Bachelor of Arts degree from the Manipur University in 1985. Later on he received one year training course in Doll & Toys Craft from the Apprenticeships Training Scheme sponsored by the office the Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Govt. of India during 14-11-1985 to 13-11-1986. He further undergone Advance Training Course in Ceramic and Glaze Pottery at Regional Design & Technical Development Center, Bangalore in the year, 1988.

3. Shri Ibomcha participated at different Exhibition, Melas with his products of dolls like Khamba Thoibi (pair), Radha-Krishna (pair), different size of dance and costume dolls viz. India International Trade Fair, New Delhi, 1983, Crafts Bazar, Mumbai organized by Development Commissioner (Handicraft) and Product promotion Programme (PPP) at Chennai (1986), Crafts Bazar (Bangalore) organized by Office of Development Commissioner (Handicraft), Govt. of India, International Angling Festival (Itanagar). Eco crafts Bazar, Shillong organized by Development Commissioner (Handicraft), Crafts Bazar, New Delhi and Crafts Bazar, Gwalior organised by Office of the Development Commissioner (Handicraft) Govt. of India, Ministry of Textiles and Sangai Festival, Imphal by Govt. of Manipur during 2017.

4. Shri Ibomcha Singh was instructor for Design and Technical Development Workshop on Toy & Dolls craft at Keibul Sagram, Bishnupur District and market Oriented Product Promotion Programme in Doll & Toys Craft. He was also engaged as Design Instructor on Design Technical Workshop on Doll & Toys in Integrated Development and Promotion of Handicrafts Projects (IDPH) under North Eastern Regional Textile Promotion Scheme (NERPS) Ministry of Textiles, Government of India, sponsored by the Development Commissioner for Handicrafts. Considering his contribution in Handicrafts sector the Directorate of Industries., Government of Manipur Conferred State Award to Shri Ibomcha Singh in the year, 2005-2006.

पद्म श्री



श्री कोन्स्म इबोमचा सिंह

श्री कोन्स्म इबोमचा सिंह, गुड़िया और खिलौने बनाने के शिल्प, मणिपुर का एक पारंपरिक शिल्प, में राज्य पुरस्कार विजेता हैं। ये गुड़िया और खिलौना शिल्प में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता स्वर्गीय कोंसमतोना सिंह के पुत्र हैं और उनकी मां स्वर्गीय (श्रीमती) कोंसम आंगबी गंभीनी देवी, कावना मुर्दा बनाने में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता भी थीं।

2. 15 मार्च, 1962 को जन्मे, श्री इबोमचा सिंह ने 1985 में मणिपुर विश्वविद्यालय से कला स्नातक की उपाधि प्राप्त की। बाद में उन्होंने विकास आयुक्त कार्यालय (हस्तशिल्प), कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 14-11-1985 से 13-11-1986 के दौरान प्रायोजित शिक्षुता प्रशिक्षण योजना से गुड़िया और खिलौने शिल्प में एक वर्ष का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्राप्त किया। इन्होंने आगे वर्ष 1988 में क्षेत्रीय डिजाइन और तकनीकी विकास केंद्र, बेंगलूर में सिरैमिक और ग्लेज़ पॉटरी में एडवांस ट्रेनिंग कोर्स किया।

3. श्री इबोमचा ने खंबा थोबी (जोड़ी), राधा-कृष्ण (जोड़ी), विभिन्न आकार के नृत्य और पोशाक गुड़िया जैसे अपने द्वारा बनाए गए गुड़ियों के उत्पादों के साथ विभिन्न प्रदर्शनी, मेलों जैसे भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला, नई दिल्ली, 1983; चेन्नई (1986) में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) और उत्पाद संवर्धन कार्यक्रम (पीपीपी) द्वारा आयोजित शिल्प बाजार मुंबई; विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), भारत सरकार के कार्यालय द्वारा आयोजित शिल्प बाजार (बेंगलूर); अंतरराष्ट्रीय मछली पकड़ने का महोत्सव (ईटानगर); विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा आयोजित ईको शिल्प बाजार, शिलोंग; विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय के कार्यालय द्वारा आयोजित शिल्प बाजार, नई दिल्ली और शिल्प बाजार ग्वालियर और वर्ष 2017 के दौरान मणिपुर सरकार द्वारा आयोजित संगई महोत्सव, इम्फाल में भाग लिया।

4. श्री इबोमचा सिंह बिष्णुपुर जिले के कीबुल साग्राम में खिलौना और गुड़िया शिल्प पर डिजाइन और तकनीकी विकास कार्यशाला और गुड़िया और खिलौने शिल्प में बाजार उन्मुख उत्पाद संवर्धन कार्यक्रम के प्रशिक्षक थे। वे पूर्वोत्तर क्षेत्रीय वस्त्र संवर्धन योजना (एनईआरपीएस) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एकीकृत विकास और हस्तशिल्प परियोजनाओं (आईडीपीएच) में गुड़िया और खिलौनों पर डिजाइन तकनीकी कार्यशाला पर डिजाइन प्रशिक्षक के रूप में भी कार्यरत थे, जिसे विकास आयुक्त हस्तशिल्प द्वारा प्रायोजित किया गया था। हस्तशिल्प क्षेत्र में उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए, उद्योग निदेशालय, मणिपुर सरकार ने वर्ष 2005-2006 में उन्हें राज्य पुरस्कार प्रदान किया।